POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-2 (sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

ईस्टन के राजनीतिक व्यवस्था के संघटक

डेविड ईस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था के तीन संघटनों का विस्तृत विवेचन किया है —

(i) राजनीतिक व्यवस्था के निवेश।
(ii) मांगों का रूपांतरण।
(iii) राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत।

(i) निवेश कार्य –

निवेश से तात्पर्य मांग तथा समर्थन से है। प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था के समक्ष पर्यावरण से कुछ मांगें आती हैं। इन मांगों के पीछे मांग रखने वालों का समर्थन होता है। यह राजनीतिक व्यवस्था में निर्णय लेने वालों का ध्यान उन मांगों की ओर आकर्षित करती है।

(ii) मांगों का रूपांतरण –

मांगों के रूपांतरण की प्रक्रिया उन तरीकों को कहा जाता है जिससे राजनीतिक व्यवस्था उन मांगों को अस्वीकार करती है, पूरा करती है या उनमें हेर-फेर करती है।

(iii) राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत –

निर्गत वे उत्पादित वस्तुएं हैं जो निवेश के रूपांतरण के बाद प्राप्त होती है। राजनीतिक व्यवस्था विभिन्न प्रकार के निवेशों पर निर्णय लेती है।

Scanned with CamScanner